Dainik Bhaskar

1 July, 2018

आज भी 25% व्यापार हो रहा है कच्चे बिलों पर

धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया | नई दिल्ली

कानपुर के एक मार्बल कारोबारी जब मार्बल मंगवाते हैं तो वह वर्ग फीट के हिसाब से राजस्थान से आता है। जब वो दस पहिया ट्रक से चार हजार फीट मार्बल मंगवाते हैं तो उसमें पक्के बिल पर सिर्फ 60% ही मार्बल मंगवाते हैं। चूंकि मार्बल का वजन होता नहीं है और वर्ग फीट को कोई भी मापता नहीं है, इसलिए वे आसानी से 18% जीएसटी बचे हुए 40% मार्बल पर चोरी कर लेते हैं और यह मार्बल वो नकद में बेच देते हैं। यह तो एक उदाहरण है। जीएसटी के बावजूद कच्चे पर कारोबार हो रहा है। कच्चे पर कितना और कहां-कार्य हो रहा है, इसकी कोई अधिकृत रिपोर्ट नहीं है। सिर्फ इंडस्ट्री, टैक्स एक्सपर्ट और अर्थशास्त्रियों का अनुमान है। इंडस्ट्री बॉडी एसोचैम का मानना है कि ट्रेडर्स और व्यापारियों के द्वारा करीब 25% कार्य कच्चे पर हो रहा है। चैंबर का मानना है कि इसकी एक वजह ऊंचा टैक्स रेट भी है। कच्चे पर कारोबार की अन्य वजहों में एक जैसी प्रकृति के आइटम पर विभिन्न दरों का होना और छोटे व्यापारियों के द्वारा कर की जटिलताओं से बचना भी एक कारण है। शेष | पेज 9 पर

कच्चे बिल की हकीकत